मराठवाडा प्रदेश कि महिलाओं का हिन्दी साहित्य को योगदान

Minor Research Project
(Completion Report)
Submitted to
University Grants Commission
Western Regional Office
Ganesh Khind Pune
Pin Code 411007

Prof. Smt. Heera K. Bayas

F.No.23/1120/09 (WRO)

Department of Hindi

Nutan Mahavidyalaya, Selu Dist.Parbhani

मराठवाडा प्रदेश की महिलाओं का हिंदी साहित्य को योगदान

महाराष्ट्र में मराठवाडा प्रदेश अहिंदी के प्रदेश के रूप में जाना जाता है प्रस्तुत लघुप्रबंध में साहित्य विकास में मराठवाडा प्रदेश के महिलाओं योगदान रहा है उसी का मूल्याकन किया है। यह सत्य है कि पुरुष लेखकोका योगदान भी अपरिमित है पर महिला लेखिकाओं का योगदान भी अत्याधुनिक उपयुक्त है विश्वभर के साहित्य में पुरूष और महिला लेखिकाओं का योगदान बहुत रहा है पर इस प्रदेश में हिंन्दी की जो स्थिती रही है और परिवेश में हिंन्दी के विकास साहित्य में महिलाओंका योगदान महत्वपुर्ण लगा इसीलिए यह विषय लघुप्रबंधक के लिए किया गया हिंन्दी प्रदेशो की अपेक्षा अहिन्दी प्रदेशोमें लेखको जानना यह हेतु रहा है¸ क्यो कि इसपर कोई सामुग्री या ग्रंथ उपलब्ध नही है जो इस विषय को लेकर आगे बढे लक्ष्य यह है कि मराठवाडा के लेखिकाओं का हिन्दी साहित्य को विकासमुख करने लिए क्या योगदान रहा है।

महिला साहित्यकारों की रचनाओंका शोधपूर्ण विवेचन करना है जो निअकिंत है

1 हिंदी संत साहित्य

2 कथा साहित्य

3 उपन्यास साहित्य

4 आत्मकथात्मक साहित्य

5 पत्रकारिता

6 अनुसंधानात्मक

7 अनुवादात्मक

जो साहित्य इस प्रदेश में लिखा गया है जिनका प्रादेशिक महत्व रहा है। जिस साहित्य का सृजनात्मक स्थिति में महिला साहित्यकारो का महत्व और इस दृष्टि से इस प्रदेश को योगदान रहा है उसे निम्नकिंत रूप में किया है।

अनुसंधान की प्रक्रिया की गई।

साक्षात्कार भेट तथा चर्चाद्वारा ।

रचनाओं भरा

- मराठवाडा प्रदेश की महिलाओने जो साहित्य लिखा चाहे वह प्रबंधद्वारा हो या कथा कहानी द्वारा उन्हे अनेक प्रयास करना पडे है। उनके अभिमत और समस्याएँ उन्ही के शब्दों मे बयान करने का प्रयास इस प्रबंध में किया है।
- मराठवाडा प्रदेश की परिस्थितीओं में भौगोलिक परिस्थितियाँ ।
- आर्थिक, सामाजिक, साहित्यिक और धार्मिक परिस्थितियाँ देखते हुए हिन्दी महिलाओंका योगदान महत्वपूर्ण है।
- मराठवाडा प्रदेश में महिलाओंके साथ साथ जिन पुरूष लेखको ने साहित्य लिखा है उनके सूची भी इस के साथ जुडी है।
- प्रबंधद्वारा मराठवाडा प्रदेश में जिन साहित्यकारों ने लिखा है जैसे संत साहित्य समाचार पत्रोंमे लिखने वाले कुछ प्रकाशित साहित्य और कुछ अप्रकाशित साहित्य भी मराठवाडा मे पनपा है सृजनशिल साहित्य इस भूमि मे उपजा है ।
- महत्वपूर्ण यह कि इस प्रबंध में जो भी साहित्य प्रबंधकार है उनकी सूची का उपयोग अन्य प्रदेश के लोगो को हो सकता है यह भी दृष्टिकोन रहा है।